भारतीय रेड क्रास सोसायटी
श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इकाई, गोण्डा
बेसिक लाइफ सपोर्ट
24 मई, 2022

दिनांक 24 मई 2022 को पूर्वान्ह 11:00 बजे भारतीय रेड क्रास सोसायटी तथा मिशन शक्ति अभियान के तहत श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज, गोण्डा के ललिता शास्त्री सभागार में प्राचार्य प्रो० रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में **बेसिक लाइफ सपोर्ट** पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि और वक्ता ए०सी०एम०ओ० गोण्डा, डॉ० ए०पी० सिंह थे। यह प्रशिक्षण रेड क्रास, एन०सी०सी० एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को प्रदान किया गया। प्रशिक्षण डॉ० राजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशन में डॉ० आमिर महमूद खान, स्वास्थ्य सलाहकार, सलाहुद्दीन, जिला परिवार नियोजन एवं लाजिस्टिक मैनेजर सी०एम०ओ० कार्यालय गोण्डा एवं रेड क्रास के सीनियर स्वयंसेवकों द्वारा दिया गया।

डॉ० ए०पी० सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि रेड क्रास को प्राथमिक चिकित्सा पर बल देना चाहिये जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं से प्राथमिक उपचार करके पीड़ितों की जान बचायी जा सके। उन्होंने बताया कि प्रारंभ के 3 मिनट जीवन बचाने के लिए अहम होते हैं। इन्हीं 3 मिनटों में बेसिक लाईफ सपोर्ट देकर मरीज की जान बचायी जा सकती है। हमारे देश में अधिकांश मौतें इसलिए हो जाती है क्योंकि पीड़ितों को सही समय पर बेसिक लाईफ सपोर्ट नहीं मिल पाता है। DRABC के बारे में बताते हुए प्रशिक्षण दिया कि किस प्रकार परीक्षण करके पीड़ित को तुरंत बेसिक लाईफ सपोर्ट प्रदान किया जाए और आवश्यकता होने पर किस प्रकार सी०पी०आर० किया जाए। प्रारंभिक परीक्षण 10 सेकेण्ड के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य है। सी०पी०आर० में पीड़ित के छाती को 100 प्रति मिनट के स्पीड से दबाया जाता है जिससे कि उसे पुनर्जीवित किया जा सके और उसकी सांस वापस आ सके।

उन्होंने देश में रक्त की कमी से हो रही मौतों के आँकड़ो को बताते हुए रक्तदान के महत्व को बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति वर्ष में तीन बार रक्त दान कर सकता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित भी किया।

कॉलेज की उपाध्यक्ष सुश्री वर्षा सिंह ने भी स्वयंसेवकों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत कॉलेज की छात्राओं को उनके स्वास्थ्य से संबंधित बातों को लेकर जागरुक किया गया और विभिन्न प्रकार की बीमारियों के बारे में बताया गया जिससे वे अपने व अपने परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल सुचारु रुप से कर सकें।

प्राचार्य प्रो० रवीन्द्र कुमार ने अपने भाषण में कहा कि मानवीय संवेदना को उन्नत करना रेड क्रास का प्रमुख उद्देश्य है। स्वयं को शारीरिक और मानसिक रुप से तैयार रहना चाहिए जिससे आपात स्थिति में हम लड़ सकें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी मानव मात्र की सेवा के लिए तत्पर होना सीख जाएंगे।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन कर रही डॉ० चमन कौर, असिसटेण्ट प्रोफेसर शिक्षा विभाग, श्री जसपाल सलूजा, उपाध्यक्ष रेड क्रास गोण्डा, श्री उमेश शाह, सचिव प्रबंध समिति, सुश्री वर्षा सिंह, उपाध्यक्ष प्रबंध समिति, डॉ० जितेन्द्र सिंह, मुख्य नियंता, पूर्व स्वयंसेवक पूनम, अभिजीत यश भारती, सरोजिनी और सौरभ कुरील उपस्थित थे।

जीवन बचाने के लिए अहम होते हैं प्रारंभ के तीन मिनट : एपी सिंह

प्रशिक्षण

- भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी व मिशन शक्ति के तहत किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

संदेश वाहक न्यूज

गोण्डा। मंगलवार को भारतीय रेड क्रास सोसायटी तथा मिशन शक्ति अभियान के तहत श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज गोण्डा के ललिता शास्त्री सभागार में प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में प्राथमिक चिकित्सा के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि और वक्ता एसीएमओ डॉ. एपी सिंह रहे।

यह प्रशिक्षण रेड क्रास, एनसीसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को प्रदान किया गया। प्रशिक्षण डॉ. राजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशन में डॉ. आमिर महमूद खान स्वास्थ्य सलाहकार, सलाहुद्दीन जिला परिवार नियोजन एवं लाजिस्टिक मैनेजर सीएमओ कार्यालय गोण्डा तथा रेड क्रास के सीनियर स्वयंसेवकों द्वारा दिया गया। डॉ एपी सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि रेड क्रास को प्राथमिक चिकित्सा पर बल देना चाहिये, जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं से प्राथमिक उपचार करके पीड़ितों की जान बचायी जा सके। उन्होंने बताया कि प्रारंभ के 3 मिनट जीवन बचाने के लिए अहम होते हैं। इन्हीं 3 मिनटों में बेसिक लाईफ सपोर्ट देकर मरीज की जान बचायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में अधिकांश मौतें इसलिए हो जाती हैं, क्योंकि पीड़ितों को सही समय पर बेसिक लाईफ सपोर्ट नहीं मिल पाता है।

उन्होंने प्रशिक्षण दिया कि किस प्रकार परीक्षण करके पीड़ित को तुरंत बेसिक लाईफ सपोर्ट प्रदान किया जाए और आवश्यकता होने पर किस प्रकार सीपीआर किया जाए। प्रारंभिक परीक्षण 10 सेकेण्ड के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य है। सीपीआर में पीड़ित की छाती को 100 प्रति मिनट के स्पीड से दबाया जाता है जिससे कि उसे पुनर्जीवित किया जा सके और उसकी सांस वापस आ सके। उन्होंने स्वयंसेवकों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित भी किया। कॉलेज की उपाध्यक्ष सुश्री वर्षा सिंह ने भी स्वयंसेवकों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत कॉलेज की छात्राओं को उनके स्वास्थ्य से संबंधित बातों को लेकर जागरुक किया गया और विभिन्न प्रकार की बीमारियों के बारे में बताया गया जिससे वे अपने व अपने परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल सुचारु रुप से कर सकें। प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार ने कहा कि मानवीय संवेदना को उन्नत करना रेड क्रास का प्रमुख उद्देश्य है। स्वयं को शारीरिक और मानसिक रुप से तैयार रहना चाहिए जिससे आपात स्थिति में हम लड़ सकें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी मानव मात्र की सेवा के लिए तत्पर होना सीख जाएंगे।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन कर रही डॉ. चमन कौर असिसटेण्ट प्रोफेसर शिक्षा विभाग, जसपाल सलूजा उपाध्यक्ष रेड क्रास गोण्डा, उमेश शाह सचिव प्रबंध समिति, सुश्री वर्षा सिंह उपाध्यक्ष प्रबंध समिति, डॉ. जितेन्द्र सिंह मुख्य नियंता, पूर्व स्वयंसेवक पूनम, अभिजीत यश भारती, सरोजिनी और सौरभ कुरील उपस्थित थे।

स्वयंसेवकों को रक्तदान के लिए किया प्रेरित : वर्षा सिंह

रेड क्रास सोसायटी व मिशन शक्ति अभियान के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता।

महेश गुप्ता, गोंडा। लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज में भारतीय रेड क्रास सोसायटी तथा मिशन शक्ति अभियान के तहत ललिता शास्त्री सभागार में प्राचार्य प्रो0 रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में प्राथमिक चिकित्सा के संबंध में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि और वक्ता एसीएमओ डॉ0 एपी सिंह रहे, बतादें की यह प्रशिक्षण रेड क्रास, एनसीसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को प्रदान किया गया। प्रशिक्षण डॉ0 राजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशन में डॉ0 आमिर महमूद खान, स्वास्थ्य सलाहकार, सलाहुद्दीन, जिला परिवार नियोजन एवं लाजिस्टिक मैनेजर सीएमओ कार्यालय एवं रेड क्रास के सीनियर स्वयं सेवकों द्वारा दिया गया। वहीं डॉ0 एपी सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि रेड क्रास को प्राथमिक चिकित्सा पर बल देना चाहिये जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं से प्राथमिक उपचार करके पीड़ितों की जान बचायी जा सके। उन्होंने बताया कि प्रारंभ के तीन मिनट जीवन बचाने के लिए अहम होते हैं। इन्हीं तीन मिनटों में बेसिक लाईफ सपोर्ट देकर मरीज की जान बचायी जा सकती है। हमारे देश में अधिकांश मौतें इसलिए हो जाती है क्योंकि पीड़ितों को सही समय पर बेसिक लाईफ सपोर्ट नहीं मिल पाता है। DRABC के बारे में बताते हुए प्रशिक्षण दिया कि किस प्रकार परीक्षण करके पीड़ित को तुरंत बेसिक लाईफ सपोर्ट प्रदान किया जाए और आवश्यकता होने पर किस प्रकार सीपीआर किया जाए। प्रारंभिक परीक्षण दस सेकेण्ड के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य है। सीपीआर में पीड़ित के छाती को 100 प्रति मिनट के स्पीड से दबाया जाता है जिससे कि उसे पुनर्जीवित किया जा सके और उसकी सांस वापस आ सके।

देश में रक्त की कमी से हो रही मौतों के आँकड़ो को बताते हुए रक्तदान के महत्व को बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति वर्ष में तीन बार रक्त दान कर सकता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित भी किया। कॉलेज की उपाध्यक्ष वर्षा सिंह ने भी स्वयंसेवकों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत कॉलेज की छात्राओं को उनके स्वास्थ्य से संबंधित बातों को लेकर जागरुक किया गया और विभिन्न प्रकार की बीमारियों के बारे में बताया गया जिससे वे अपने व अपने परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल सुचारु रुप से कर सकें, प्राचार्य प्रो0 रवीन्द्र कुमार ने अपने भाषण में कहा कि मानवीय संवेदना को उन्नत करना रेड क्रास का प्रमुख उद्देश्य है।

स्वयं को शारीरिक और मानसिक रुप से तैयार रहना चाहिए जिससे आपात स्थिति में हम लड़ सकें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी मानव मात्र की सेवा के लिए तत्पर होना सीख जाएंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन कर रही डॉ0 चमन कौर, असिसटेण्ट प्रोफेसर शिक्षा विभाग, जसपाल सलूजा, उपाध्यक्ष रेड क्रास, उमेश शाह, सचिव प्रबंध समिति, वर्षा सिंह उपाध्यक्ष प्रबंध समिति, डॉ0 जितेन्द्र सिंह, मुख्य नियंता, पूर्व स्वयंसेवक पूनम, अभिजीत यश भारती, सरोजिनी और सौरभ कुरील उपस्थित रहे।